इंडो-अमेरिकन आर्ट्स काऊंसिल द्वारा आयोजित

वार्षिक 5वां साहित्य महोत्सव बच्चों के लिए बना ज्ञानवर्द्धक व अविस्मरणीय अनुभव

न्यूयॉर्क। हम हिन्दुस्तानी

इंडो-अमेरिकन आर्ट्स काऊंसिल द्वारा साऊथ एशियन हैरिटेज का प्रतिनिधित्व करते हुए वार्षिक 5वें साहित्य महोत्सव का आयोजन किया गया। 2 दिनों तक चले इस वार्षिक साहित्य महोत्सव के दौरान अनेकों लेखकों एवं कवियों के अलावा पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया और अपने-अपने विचार उपस्थिति के समक्ष पेश किए। विशेषकर यह साहित्य महोत्सव बच्चों के लिए विशेष ज्ञानवर्द्धक एवं अविस्मरणीय अनुभव रहा। इस अवसर पर विशेष रूप से फैस्टीवल डायरैक्टर निली लखानी ने कहा कि एडल्टलिट फैस्टीवल के अलावा युवा साहित्य में विविधता की आवश्यकता है और अग्रणी पहल और साहित्यिक प्रकाशन में वास्तवित बदलाव लाने में मदद करना है। साहित्य महोत्सव में कंचन कोया ने स्पाइस-स्पाइस बेबी कुक बुक पेश की, जोकि मसालों के ज्ञान का विवरण देने वाली पहली तरह की कुक बुक सिद्ध हुई। इसी तरह से क्यूरेटर एवं विद्वान जॉन गॉ ने दक्षिण एशियन कला के संदर्भ में अपनी तेजस्वी प्रस्तुति को सांझा किया। इसी तरह से अंजलि सचदेवा ने पहली लघु कहानी संग्रह और अन्य ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों को पेश किया। साहित्य महोत्सव में विशेष रूप से उपस्थित हुए बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी नई पुस्तक लेसन्स लाइफ टीच मी को पेश किया और उन्होंने अपने वार्तालाप से उपस्थिति को विशेष आर्षिक किया। उन्होंने साथ ही इंडो-अमेरिकन्स आर्ट्स काऊंसिल का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दि कल्चरल ट्री के संस्थापक अनु सहगल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर सितार वादक अमजद अली खान, न्यूयॉर्क में भारत के कौंसिल जनरल संदीप चक्रवर्ती, इंडियन अमेरिकंस आर्ट्स काऊंसिल के चेयरमैन डा. निर्मल मट्टू, इंडियन अमेरिकंस आर्ट्स काऊंसिल बोर्ड के सदस्य राजीव कौल के अलावा अन्य भी उपस्थित थे।

एकल विद्यालय द्वारा 'दि एकल विद्यालय दि फ्यूचर ऑफ इंडिया गाला' 9 नवम्बर को

न्यूयॉर्क। हम हिन्दुस्तानी

एकल विद्यालय की ओर से 'दि एकल विद्यालय दि फ्यूचर ऑफ इंडिया गाला' का आयोजन 9 नवम्बर को गौतम हाल : 1336 ब्रॉडवे 36 स्टीट न्यूयॉर्क में किया जा रहा है। जिसमें विशेषातिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबराय उपस्थित होंगे जबकि मनोरंजन के लिए भारतीय सिंगर शिबानी कश्यप विशेष रूप से अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगी। गाला में प्रवक्ता के रूप में राजू रैड्डी तथा रैगी थॉमस उपस्थित होंगे।

शिकागो में मध्य प्रदेश वासियों (एमपियंस) ने धूमधाम से मनाई दीवाली

शिकागो। हम हिन्दुस्तानी

शिकागो में बसे एमपीयंस द्वारा दीवाली मिलन समारोह 'दीपम-2019' का आयोजन करके न केवल त्यौहार का सूनापन मिटा दिया बल्कि त्यौहार को फिर से जीवंत कर दिया। उल्लेखनीय है कि दीपम सिर्फ एक दीवाली मिलन न होकर एक बहुत बड़ा सामूहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम बन गया, जिसमें बड़े और बच्चों सहित करीब 250 लोगों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लेकर आनंद की अनुभूति की। जैसा कि कहा जाता है कि जिस काम का आगाज़ अच्छा हो उसका अंत भी अच्छा होता है बस वैसा ही 'दीपम' उत्सव में भी हुआ। दीपम ने भारतीय संस्कार और धर्म परायणता को सर्वोपरि रखते हुए सभी बुज़ुर्ग माता-पिता के द्वारा दीप प्रज्वलन रूपी आशीर्वाद से कार्यक्रम शुरू करके एक अनोखी मिसाल कायम की। इस आशीर्वाद ने दीवाली मिलन कार्यक्रम को दीवाली महोत्सव का रूप दे दिया। इसके बाद प्रथम पूज्य गणेश की वंदना और फिर पहले भारतीय और तत्पश्चात अमेरिकन 'राष्ट्रगीत' के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले जितने खुश थे उससे भी ज़्यादा खुश थे कुछ नए लोग जो पहली बार शामिल हुए और खुद को एक परिवार का हिस्सा महसूस कर रहे थे। एमपीयंस ग्रुप के कार्यकर्ताओं और वॉलंटियर्स ने नि :स्वार्थ भावना से, बड़े ही शानदार और व्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम को संचालित किया. इस पूरे महोत्सव का जिस तरह से ज़िम्मा उठाया और उसको एक बड़ा मुकाम दिया वह सच मे प्रशंसनीय है। ईश्वर की कृपा से भारतीय संस्कृति का ये वृक्ष ऐसे ही फलता फूलता रहे।